प्रौढ़ सब्त स्कूल बाईबल अध्ययन गाइड

उत्पत्ति

द्वाराः जैक्स बी० डौखान

अप्रैल, मई, जून
2022

विषय सूची

1. **जब परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की**	*मार्च 26-अप्रैल 1*	...	...	3
2. **पतन**	– *अप्रैल 2-8*	...	...	12
3. **कैन और उसका अपराध**	– *अप्रैल 9-15*	...	...	21
4. **बाढ़**	– *अप्रैल 16-22*	...	...	30
5. **बाबेल का गुम्मट**	– *अप्रैल 23-29*	...	...	39
6. **अब्राहमः विश्वास पुरुष**	– *अप्रैल 30-मई 6*	...	...	47
7. **अब्राहम के साथ वाचा**	– *मई 7-13*	...	...	55
8. **प्रतिज्ञा**	– *मई 14-20*	...	...	63
9. **दो बार छला गया**	– *मई 21-27*	...	...	71
10. **याकूब-इस्राएल**	– *मई 28-जून 3*	...	...	80
11. **यूसुफ, सपनों का स्वामी**	– *जून 4-10*	...	...	88
12. **यूसुफ, मिस्र का राजकुमार**	– *जून 11-17*	...	...	96
13. **मिस्र में इस्राएल**	– *जून 18-24*	...	...	105

भूमिका

शुरुआत की किताब

उत्पत्ति यीशु के विषय में है। यीशु ने हमारी सृष्टि की। यीशु हमें जीवित रखता है। यीशु हमारा उद्धारकर्ता भी है। मूसा ने उत्पत्ति की पुस्तक लिखी। मूसा के हजारों साल बाद, यूहन्ना हमें यीशु को हमारे सृष्टिकर्ता के रूप में दिखाता है: "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना न हुई। उस में जीवन था; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।" (यूहन्ना 1: 1-4).

इस प्रकार, यूहन्ना हमें बताता है कि यीशु ने सब कुछ बनाया। यीशु ने सारे ग्रह और तारे बनाए। यीशु ने हमारी कोशिकाओं और हमारे डीएनए को बनाया, जो जीवन के "निर्माण खंड" हैं। यीशु ने ये सब चीजें बनाईं। यीशु ने जो कुछ भी बनाया है, उसे अपने नियंत्रण में रखता है। उत्पत्ति की पुस्तक बाइबिल की पहली कहानी है। यह कहानी हमें दिखाती है कि यीशु ने इस पृथ्वी को बनाया और हमें पाप से बचाया। उत्पत्ति पृथ्वी पर एकमात्र पुस्तक है जो हमें दिखाती है कि हम यहाँ क्यों हैं।

शब्द "उत्पत्ति" एक ग्रीक शब्द से आया है जिसका अर्थ है "शुरुआत।" यह यूनानी शब्द इब्रानी शब्द से आया है।

"बेरे 'शिट," जिसका अर्थ है "शुरुआत में।" ये उत्पत्ति की किताब और पूरी बाइबल के पहले शब्द हैं! पूरी बाइबल उत्पत्ति में आध्यात्मिक सच्चाइयों से आती है। बाइबिल में किसी भी अन्य पुस्तक की तुलना में अधिक बाइबिल लेखक उत्पत्ति के उद्धरणों का उपयोग करते हैं।

उत्पत्ति महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें यह समझने में मदद करती है कि हम मनुष्य के रूप में कौन हैं। हमें इस ज्ञान की आज पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। अधिकत्तर लोग इस समय मानते हैं कि मनुष्य गलतियों या "संयोग" से हैं। उनका मानना है कि पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत संयोग से हुई थी। लेकिन उत्पत्ति हमें दिखाती है कि ये विचार गलत हैं। उत्पत्ति हमें सिखाती है कि परमेश्वर ने हमें अपने जैसा दिखने के लिए बनाया है। परमेश्वर ने हमें कई मायनों में स्वयं के समान होने के लिए भी बनाया है। तब परमेश्वर

जेनेरल कॉन्फ्रेन्स ऑफ सेवेन्थ-डे-ऐडवेंटिस्ट द्वारा तैयार पाठ का हिन्दी अनुवाद श्री तुरतन कन्डुलना मोबाईल नं० +919431906858 (e-mail: kturtan@gmail.com) एवं मुद्रण, सब्त स्कूल विभाग, पश्चिमी झारखण्ड सेक्शन ऑफ एस०डी०ए०, करम टोली चौक, राँची, झारखण्ड द्वारा किया जाता है।

मुद्रक : काथलिक प्रेस, राँची - 834001 (झारखण्ड)
M. No. 8757340417, e-mail: catholic_press@yahoo.in

ने प्रथम मनुष्य को एक सिद्ध पृथ्वी पर एक सुंदर वाटिका में रखा। उत्पत्ति यह भी बताती है कि पाप कैसे हुआ। हम सीखते हैं कि क्यों इस धरती पर जीवन अब परिपूर्ण नहीं है। हम सीखते हैं कि मनुष्य अब परिपूर्ण क्यों नहीं हैं। उत्पत्ति हमें सांत्वना भी देती है। हम उत्पत्ति में एक उद्धारकर्ता की प्रतिज्ञा को देखते हैं। यह प्रतिज्ञा हमें एक ऐसे जीवन में आशा प्रदान करती है जो हमें दुख और मृत्यु के अलावा कुछ भी नहीं देता है।

उत्पत्ति की पुस्तक हमें चमत्कारों की कई कहानियाँ बताती है। हम पढ़ते हैं कि किस तरह परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया। हमने पहले मेघधनुष के बारे में भी पढ़ा। उत्पत्ति हमें जलप्रलय और सदोम और अमोरा के बारे में बताती है। हम उत्पत्ति की कहानियों में हर जगह परमेश्वर को देखते हैं। इसलिए जब हम इन कहानियों को पढ़ते हैं तो हम परमेश्वर के प्रति प्रेम से भर जाते हैं। उत्पत्ति की पुस्तक में सुंदर प्रेम कहानियाँ भी हैं। सबसे प्रसिद्ध प्रेम कहानियों में से एक याकूब और राहेल के बारे में है। या इसहाक और रिबका के बारे में क्या? ये कहानियाँ हमारे दिल को छू जाती हैं। फिर घृणा (याकूब और एसाव) के बारे में कहानियाँ हैं। या बच्चे पैदा हो रहे हैं (इसहाक, याकूब, और याकूब के 12 पुत्र)। हम मृत्यु के बारे में कहानियाँ पढ़ते हैं (सारा, राहेल, याकूब और यूसुफ)। हम हत्या (कैन, शिमोन और लेवी) के बारे में भी पढ़ते हैं। क्षमा के बारे में कहानियाँ हैं (एसाव और याकूब, यूसुफ और उसके भाई)। उत्पत्ति हमें भले और बुरे के बारे में भी सिखाती है (कैन, बाबेल का गुम्मट)। हम विश्वास (अब्राहम, याकूब) के बारे में भी सीखते हैं। सबसे बढ़कर, हम कहानी में परमेश्वर के हमें बचाने के वादे के बारे में आशा महसूस करते हैं। हम इस आशा को इस वादे में देखते हैं कि परमेश्वर साँप के सिर को कुचल डालेगा और उसे हमेशा के लिए नष्ट कर देगा। इसी आशा को हम प्रतिज्ञात देश की कहानी में भी देखते हैं।

इस त्रिमास, हम उत्पत्ति की पुस्तक को पढ़ेंगे और उसका अध्ययन करेंगे। हम इसकी खूबसूरत कहानियों का आनंद भी लेंगे। वे हमें अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर यहोवा के और अधिक निकट रहना सिखाएँगे।

हम यह भी देखेंगे कि उत्पत्ति की पुस्तक में लोग कई यात्राएँ करते हैं। वे अदन से बाबेल तक, और प्रतिज्ञा किए हुए देश से मिस्र तक जाते हैं। पुस्तक इस आशा के साथ समाप्त होती है कि इस्राएल की संतान को वादा किए गए देश में वापस यात्रा करनी होगी। इस्राएल की आशा हमें वास्तविक वादा किए गए देश में अपनी आशा को याद रखने में मदद करती है। यह भूमि नया स्वर्ग और नई पृथ्वी है। जब हम उत्पत्ति की कहानियों को पढ़ते हैं, तो हम देखेंगे कि उनकी कहानियाँ कई मायनों में हमारी भी कहानियाँ हैं।

जैक्स बी. डौखान, डी.एच.एल, टी-एच.डी, एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। वे एंड्रयूज विश्वविद्यालय में धर्मविज्ञान के तहत हिब्रू और पुराने नियम के शिक्षक रहे हैं।